S-143 Roll No. ……..

DPJ–104

मुहूर्त्त विचार

फलित ज्योतिष में डिप्लोमा (डी. पी. जे.-16/17)

प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2018

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख', तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ज्योतिष के अनुसार मुहूर्त्त के महत्व पर एक निबन्ध लिखिये।
2. गर्भाधान, उपनयन एवं चूड़ाकरण मुहूर्त्त का लेखन कीजिए।
3. यात्रा एवं द्विरागमन मुहूर्त्त का उल्लेख कीजिए।
4. गृहप्रवेश एवं वास्तुशान्ति मुहूर्त्त का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. विवाह की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
2. लता-पातादि दोषों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
3. मानव जीवन में मुहूर्त्त की क्या उपादेयता है ? स्पष्ट कीजिए।
4. अक्षराम्भ एवं विद्यारम्भ के लिए प्रशस्त अयन, तिथि, नक्षत्र तथा वारों का उल्लेख कीजिए।
5. मुहूर्त्त ज्ञान में पंचांग की क्या उपयोगिता है ? लिखिये।
6. काकिणी विचार कैसे किया जाता है ? स्पष्ट रूप से लिखिये।
7. जीर्णगृहप्रवेश में काल एवं मास शुद्धि का विचार कैसे किया जाता है ?
8. ज्योतिष शास्त्रानुसार मुहूर्त्त निर्धारण कैसे किया जाता है ? समझाइये।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. मुहूर्त्त शब्द में कौन-सा प्रत्यय है ?

   (अ) मतुप

(ब) वतुप

(स) मुह

(द) उरट

2. लग्न शुद्धि से निम्नलिखित में क्या नष्ट होता है ?

(अ) रात्रि दोष

(ब) दिवा दोष

(स) मध्याह्न दोष

(द) उपर्युक्त सभी दोष

3. 60 घटी = ?

(अ) 10 घण्टे

(ब) 24 घण्टे

(स) 20 घण्टे

(द) 30 घण्टे

4. जिस चान्द्र मास में सूर्य की संक्रान्ति न हो, उसे कहते हैं :

(अ) चान्द्रमास

(ब) अधिमास

(स) क्षयमास

(द) सौरमास

5. निम्नलिखित में तृतीया तिथि के स्वामी कौन हैं ?

(अ) ब्रह्मा

(ब) गौरी

(स) गणेश

(द) रवि

6. शतभिषा नक्षत्र के ताराओं की संख्या कितनी है ?

(अ) 3
(ब) 4
(स) 20
(द) 100

7. आनन्दादि योग क्रम में धाता योग के पश्चात् आता है :

(अ) ध्वांक्ष
(ब) आनन्द
(स) सौम्य
(द) कालदण्ड

8. संस्कार शब्द का निर्माण किस धातु से हुआ है ?

(अ) क्री
(ब) सम
(स) कृ
(द) क्रो

9. सीमन्त का अर्थ है :

(अ) गर्भ
(ब) केश
(स) सीमा
(द) नाम

10. ज्योतिष गणितारम्भ मुहूर्त्त किस वार में होता है ?

(अ) सोम, बुध
(ब) गुरु, मंगल
(स) शुक्र, शनि
(द) बुध एवं गुरु